एम0 ए0 प्रथम वर्ष

संगीत गायन/वादन (सितार)

प्रायोगिक

पूर्णांक = 400

(मंच प्रदर्शन 200 अंक एवं मौखिकी 200 अंक)

1.	राग कल्याण	(अ)	पूरिया कल्याण
		(ब)	श्याम कल्याण
	राग भैरव	(अ)	अहीर भैरव
		(ब)	बैरागी भैरव
	राग मल्हार	(अ)	मियाँ मल्हार
		(ब)	मेघ मल्हार

उपर्युक्त रागों के अन्तर्गत विलम्बित ख्याल/मसीतखानी गत, द्रुत ख्याल/रजाखानी गत, तथा एक–एक ध्रुपद एवं धमार का ज्ञान।

2. भजन अथवा धुन– राग पीलू/काफी/खमाज में से एक

3. ताल – आड़ा चारताल, धमार, एकताल, चारताल।

उपर्युक्त तालों में ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन के साथ 2/3 अथवा 3/2 लयकारी करने का अभ्यास।

प्रथम प्रश्न पत्र

पूर्णांक 100

प्रयोगात्मक

1. उपर्युक्त प्रायोगिक रागों का विस्तार पूर्वक अध्ययन।
2. पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित ख्याल/मसीतखानी गत, द्रुत ख्याल/रजाखानी गत, तथा एक–एक ध्रुपद एवं धमार की स्वरलिपि/गतों को लिखने का ज्ञान।
3. पाठ्यक्रमों के रागों में स्वतन्त्रपूर्वक तान, आलाप तान अथवा तोड़ा लिखने का अभ्यास।

4. पाठ्यक्रमों के तालों में विभिन्न लयकारियों के साथ कुछ कठिन लयकारियों (2/3 अथवा 3/2) के लिखने का अभ्यास।

5. पारिभाषिक शब्द– आलप्ति गान, काकु, कुतप, सशब्द किया– निःशब्द किया, टप्पा, ठुमरी, चैती, कजरी, तिल्लाना, चतुरंग अथवा तोड़ा, मीड़, घसीट, गत, बोल, झाला इत्यादि।

6. जीवनी (संगीतज्ञों का योगदान) –

गायन	/	वादन (सितार)
1. उ0 अदारंग उ0 सदारंग	/	उ0 अमीर खुसरों
2. उ0 बड़े गुलाम गली खाँ	/	उ0 इनायत खाँ

द्वितीय प्रश्न पत्र

पूर्णांक 100

सैद्धान्तिक/शास्त्र

1. वैदिक काल से लेकर 12 वीं शताब्दी तक का इतिहास।

2. ग्रंथ (नाट्यशास्त्र, संगीत रत्नाकार) एवं सम्बन्धित ग्रंथकार।

3. भारतीय संगीत एवं कर्नाटक संगीत पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।

4. रागांग वर्गीकरण का विस्तृत अध्ययन।

5. टिप्पणी– रस, छन्द, अलंकार।

6. स्वर प्रस्तार का अध्ययन।

7. 600 शब्दों का अपने विषय से निबन्ध लिखने का अभ्यास।

एम0 ए0 द्वितीय वर्ष

संगीत गायन/वादन (सितार)

प्रायोगिक — पूर्णांक = 400

(मंच प्रदर्शन 200 अंक एवं मौखिकी 200 अंक)

1.	राग तोड़ी	(अ)	गुर्जरी तोड़ी
		(ब)	भूपाल तोड़ी
	राग कान्हड़ा	(अ)	आभोगी कान्हड़ा
		(ब)	सूहा कान्हड़ा
	राग सारंग	(अ)	शुद्ध सारंग
		(ब)	मधमाद सारंग

उपर्युक्त रागों के अन्तर्गत विलम्बित ख्याल/मसीतखानी गत, द्रुत ख्याल/रजाखानी गत, तथा एक–एक ध्रुपद एवं धमार का ज्ञान।

2. भजन अथवा धुन– राग देश/भैरवी/पहाड़ी में से एक

3. ताल – रूद्रताल, ब्रह्मताल, झपताल, सूलताल।

उपर्युक्त तालों में ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन के साथ 2/3 अथवा 3/2 लयकारी करने का अभ्यास।

प्रथम प्रश्न पत्र — पूर्णांक 100

प्रयोगात्मक

1. उपर्युक्त प्रायोगिक रागों का विस्तार पूर्वक अध्ययन।
2. पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित ख्याल/मसीतखानी गत, द्रुत ख्याल/रजाखानी गत, तथा एक–एक ध्रुपद एवं धमार की स्वरलिपि/गत को विभिन्न तालों में लिखने का ज्ञान।
3. पाठ्यक्रमों के रागों में स्वतन्त्रपूर्वक तान, आलाप तान अथवा तोड़ा लिखने का अभ्यास।

4. पाठ्यक्रमों के तालों में विभिन्न लयकारियों के साथ कुछ कठिन लयकारियों (2/3 अथवा 3/2) को लिखने का अभ्यास।

5. पारिभाषिक शब्द– आविर्भाव–तिरोभाव, गमक, आलाप, जोडालाप, हार्मनी, मेलॉडी, कृन्तन।

6. जीवनी (संगीतज्ञों का योगदान) –

गायन	/	वादन (सितार)
1. विदुषी मोघुबाई कुर्डीकर	/	उ0 विलायत खाँ
2. उ0 अमीर खाँ	/	पं0 रविशंकर

द्वितीय प्रश्न पत्र — पूर्णांक 100

सैद्धान्तिक/शास्त्र

1. 13 वीं शताब्दी से लेकर आधुनिक काल तक संगीत के इतिहास का अध्ययन।

2. ग्रंथ– स्वरमेल कलानिधि एवं चतुर्दण्डि प्रकाशिका एवं सम्बन्धित ग्रंथकार का अध्ययन।

3. वाद्य वर्गीकरण का इतिहास एवं प्रत्येक वर्ग के अन्तर्गत एक–एक वाद्य का सम्पूर्ण इतिहास।

4. भारतीय एवं कर्नाटकीय ताल पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।

5. मेरू खण्ड का अध्ययन।

6. 600 शब्दों का अपने विषय से निबन्ध लिखने का अभ्यास।

———————000000———————